नईदुनिया

भारत एक रणनीतिक साझेदार और अमेरिका इस सहयोग को बढ़ाने के लिए तत्पर, दोनों देशों के रिश्तों पर पेंटागन

वॉशिंगटन ।
अमेरिका का रक्षा विभाग आए दिन भारत के साथ अपने संबंधों को सराहाता दिखता है। एक बार फिर पेंटागन ने साफ कर दिया कि भारत एक रणनीतिक सहयोगी है और अमेरिका इस साझेदारी को विकसित करने के लिए तत्पर है।

भारत एक रणनीतिक...

पेंटागन के प्रेस सचिव पैट राइडर ने वाशिंगटन में एक संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, भारत एक रणनीतिक साझेदार है। हम इस साझेदारी को आगे विकसित होते देखना चाहते हैं।यूक्रेन-रूस संघर्ष पर राइडर ने कहा, जब बात यूक्रेन और रूस के अवैध कब्जे और यूक्रेन पर हमले की बात आती है। आखिरकार यह यूक्रेन पर निर्भर करता है कि वह कब शांति के लिए बातचीत करने के लिए तैयार है।

यूक्रेन के बिना कोई फैसला नहीं

उन्होंने आगे कहा, अभी हमारा ध्यान यूक्रेन के साथ काम करने पर है ताकि उन्हें अपने देश की रक्षा करने, अपनी संप्रभुता की रक्षा करने और अपने क्षेत्र को वापस लेने के लिए जरूरी मदद की जा सके। हालांकि, यूक्रेन के बिना यूक्रेन के बारे में कोई फैसला नहीं लिया जा सकता है।

सितंबर में होगा तीसरा सम्मेलन

एक अधिकारी ने पिछले महीने बताया था कि तीसरा इंडस-एक्स शिखर सम्मेलन सितंबर 2024 में सिलिकॉन वैली में होगा, जिसमें रक्षा नवाचार के लिए निजी पूंजी का इस्तेमाल करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। शिखर सम्मेलन की सह-मेजबानी यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा की जाएगी।

कुछ वर्षों में कई सुरक्षा समझौते

दोनों देशों ने पिछले कुछ वर्षों में कई रक्षा और सुरक्षा समझौते किए हैं, जिसमें 2016 में लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (एलईएमओए) भी शामिल है, जो उनकी सेनाओं को मरम्मत और आपूर्ति की पुन:पूर्ति के लिए एक-दूसरे के अड्डों का उपयोग करने की अनुमति देता है।

न्यूज ब्रीफ

रिपब्लिकन कन्वेंशन में विवेक रामास्वामी ने दिया ऐसा जोशीला भाषण, एलन मस्क ने भी खूब की तारीफ

वॉशिंगटन । रिपब्लिकन कन्वेंशन में पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की दावेदारी में शामिल रहे विवेक रामास्वामी ने संबोधित किया। इस दौरान रामास्वामी ने जोशीले अंदाज में अमेरिकी सपने की बात की और लोगों से डोनाल्ड ट्रंप को समर्थन देने की अपील की। रामास्वामी ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ही इस देश को एकजुट कर सकते हैं। विवेक रामास्वामी के भाषण की तारीफ अरबपति बिजनेसमैन एलन मस्क ने भी की है। विवेक रामास्वामी ने दिया जबरदस्त भाषण रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन को संबोधित करते हुए विवेक रामास्वामी ने कहा कि अगर आप देश में कानून व्यवस्था को फिर से स्थापित करना चाहते हैं तो ट्रंप को वोट करें। अगर आप इस देश की अर्थव्यवस्था को एकजुट करना चाहते हैं, अमेरिका को फिर से महान देश बनाना चाहते हैं तो ट्रंप को वोट करें। ट्रंप को वोट करने का एक कारण ये भी है कि डोनाल्ड ट्रंप सिर्फ शब्दों से नहीं बल्कि एक्शन से देश को एक कर सकते हैं और अमेरिका की पहचान यही है। रामास्वामी ने कहा कि अगर आप मेरी कही हर बात से असहमत हैं तो हमारा संदेश आपके लिए यही है - हम फिर भी आपके कहने के अधिकार की रक्षा करेंगे क्योंकि हम अमेरिकी होने के नाते ऐसे ही हैं। हम एक ऐसा देश हैं जहां हम पूरी तरह असहमत हो सकते हैं और फिर भी खाने की मेज पर साथ मिल सकते हैं। यही अमेरिकी होने का मतलब है। मस्क ने की तारीफ विवेक रामास्वामी के भाषण की मशहूर अरबपति एलन मस्क ने भी तारीफ की। विवेक रामास्वामी के भाषण की एक क्लिप सोशल मीडिया पर साझा करते हुए मस्क ने लिखा कि बहुत अच्छी बात कही। रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन की शुरुआत हुई थी। रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन अप्रवासन का मुद्दा उठा। बता दें कि रिपब्लिकन पार्टी और डोनाल्ड ट्रंप के एजेंडे में अवैध अप्रवासियों का मुद्दा सबसे अहम है। इस मुद्दे की वजह से रिपब्लिकन पार्टी की लोकप्रियता में भी उछाल आया है। उन परिवारों के बारे में जिक्र किया गया, जो अवैध अप्रवासियों द्वारा किए गए अपराध के पीड़ित हैं। इन्हीं में से एक मैरीलैंड की एक महिला राहेल मोरिन का परिवार भी शामिल हैं। मोरिन को अल सल्वाडोर के एक अवैध अप्रवासी ने दुष्कर्म के बाद मार डाला था।

कमला हैरिस हो सकती हैं अमेरिका की राष्ट्रपति! बाइडन ने सियासी गलियारों में चल रही चर्चाओं को दी हवा

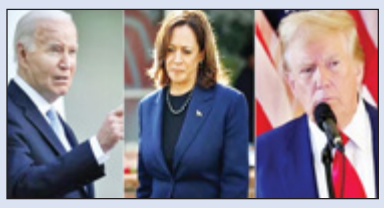

वॉशिंगटन । अमेरिका में जैसे-जैसे राष्ट्रपति चुनाव का समय करीब आ रहा है, दोनों प्रतिद्वंद्वी खेमों डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन के बीच जुबानी जंग बढ़ती जा रही है। एक तरफ रिपब्लिकन ने अपने उम्मीदवार के रूप में डोनाल्ड ट्रंप को मैदान में उतारा है। वहीं डेमोक्रेट्स ने आधिकारिक तौर पर अपने उम्मीदवार के नाम का एलान नहीं किया है। ऐसे में फिलहाल जो बाइडन और कमला हैरिस के नाम को लेकर संदेह बना हुआ है। कुछ रिपोर्ट में सामने आया है कि पार्टी के भीतर बाइडन को हटाने की मांग चल रही है। इस बीच, राष्ट्रपति जो बाइडन ने खुद कुछ ऐसा कह दिया कि सियासी गलियारों में हलचल पैदा हो गई है। चुनाव की दौड़ से हटाने की मांग बाइडन ने एनएएसीपी के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रपति बन सकती हैं। राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब उन्हें चुनाव की दौड़ से हटाने को लेकर लगातार मांग चल रही है। 81 साल के डेमोक्रेट्स नेता ने मजे लेते हुए कहा, वह न केवल एक अच्छी उपराष्ट्रपति ही हैं, बल्कि अमेरिका की राष्ट्रपति भी हो सकती हैं।

बैंकॉक के लग्जरी होटल में दो अमेरिकी समेत छह की संदिग्ध मौत, जहर दिए जाने का शक; जांच में जुटी पुलिस

बैंकॉक । थाईलैंड के राजधानी शहर बैंकॉक में एक लग्जरी होटल के कमरे में छह लोग मृत पाए गए। पुलिस अधिकारियों को शक है कि इन लोगों को जहर दिया गया होगा। थाईलैंड के प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन ने कहा कि मृतकों में से दो वियतनामी मूल के अमेरिकी हैं। जबकि चार वियतनामी नागरिक हैं। खबर के मुताबिक, मेट्रोपॉलिटन पुलिस ब्यूरो के मुख्य जांचकर्ता मेजर जनरल थीरादेज थुमसुथी ने बताया कि मृतकों में तीन पुरुष और तीन महिलाएं हैं। उन्होंने बताया कि घटनास्थल की प्रारंभिक जांच में यह माना जा रहा है कि उन्हें जहर दिया गया था। थीरादेज ने कहा कि इस बात के संकेत हैं कि सभी छह लोगों ने कॉफी या चाय पी थी। उन्होंने कहा कि शुरुआती पोस्टमॉर्टम में चोट के कोई निशान नहीं मिले। इसके अलावा, एक गाइड से भी पूछताछ की जा रही है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस आयुक्त लेफ्टिनेंट जनरल थिति सेंगसावांग ने पत्रकारों को बताया कि उनसे सघर्ष के कोई संकेत नहीं मिले हैं।

संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा, पृथ्वी पर तेजी से गहरा रहा तिहरा संकट

संयुक्त राष्ट्र ।
वैश्विक स्तर पर मौजूदा दौर में ऐसे आठ महत्वपूर्ण बदलाव हो रहे हैं, जिनसे पृथ्वी पर मंडराते तिहरे संकटों (जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण व कचरा) के गहराने की गति तेज हो रही है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और अंतरराष्ट्रीय विज्ञान परिषद (आईएससी) की एक नई रिपोर्ट में यह निष्कर्ष साझा किया गया है।

कोई भी देश रास्ते से आसानी से भटक सकता

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण एजेंसी की कार्यकारी निदेशक इंगेर ऐंडरसन ने कहा कि हम भूराजनैतिक उथलपुथल की पृष्ठभूमि में जिस तरह से बदलाव की तेज रफ्तार, अनिश्चितता और टेक्नोलॉजी के विकास को देख रहे हैं, इसका अर्थ है कि कोई भी देश रास्ते से आसानी से भटक सकता है।

मानव गतिविधियों की वजह से नुकसान - मानव गतिविधियों की वजह से प्राकृतिक जगत का नुकसान हो रहा है। यही नहीं, कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) जैसी टैक्नॉलॉजी को इस्तेमाल में लाया जा रहा है। प्राकृतिक संसाधनों के लिए स्पर्धाएं और विषमताएं बढ़ती जा रही हैं और संस्थाओं में भरोसा खत्म होता जा रहा है। वैश्विक अग्रदृष्टि रिपोर्ट के अनुसार, ये सभी चुनौतियां आने वाले समय के लिए एक ऐसे संकट को तैयार कर रही हैं, जिसका मानवता और पृथ्वी पर खतरनाक प्रभाव पड़ सकता है। 18 संकेतकों की पहचान इन आठ बड़े बदलावों के साथ-साथ इस रिपोर्ट में बदलाव के 18 संकेतकों की पहचान की गई है, जिन्हें वैश्विक विशेषज्ञों ने क्षेत्रीय व हितधारकों के साथ विचार-विमर्श के बाद चिह्नित किया है। ये संकेतक भविष्य

में संभावित व्यवधानों के प्रति सचेत करते हैं, ताकि दुनिया इनसे निपटने के लिए पहले से तैयार कर सके। इनमें अति-महत्वपूर्ण दुर्लभ पृथ्वी तत्वों, खनिजों व धातुओं के लिए बढ़ती मांग, गहरे समुद्र और स्ट्रैटोस्फ़ेयर से परे अंतरिक्ष में खनन की योजनाएं हैं। मगर, इन सभी गतिविधियों से प्रकृति व जैवविविधता के लिए खतरा उत्पन्न होने की आशंका है। प्रदूषण व कचरा बढ़ सकता है। पर्माफ्रोस्ट पिघल रही गर्माती जलवायु के कारण 'पर्माफ्रोस्ट', कम से कम दो वर्ष तक जमी रहने वाली भूमि की सतह, पिघल रही है, जिसका बड़े पैमाने पर पर्यावरण, पशुओं व मनुष्यों पर असर हुआ है। इस प्रक्रिया से पुरातन काल से जमे हुए ऐसे जीव बाहर आ रहे हैं, जोकि रोगजनक हो सकते हैं। एक बार पहले ही यह रूस के विशाल साइबेरिया क्षेत्र में एंथ्रैक्स के प्रकोप की वजह बन चुका है। यह बैक्टीरिया से होने वाली एक गंभीर संक्रामक बीमारी है।सशस्त्र टकरावों व हिंसा के उभरने, मानव स्वास्थ्य व पर्यावरण पर असर के अलावा जबरन विस्थापन मामलों को बदलाव के अहम संकेतम के रूप में चिह्नित किया गया है। इन उभरते हुए संकटों के बावजूद, रिपोर्ट बताती है कि बेहतर समाधानों व उपकरणों को साथ लेकर चलना, भावी व्यवधानों को समझने और उनसे निपटने की तैयारी करने का सर्वोत्तम तरीक़ा है। अंतरराष्ट्रीय विज्ञान परिषद के प्रमुख पीटर ग्लुकमैन ने कहा, अग्रदृष्टि औजारों के एक उपयोगी पुलिन्दे को प्रदान करती है, ताकि अल्पकालिक समझ से बाहर निकल, भावी अवसरों व जोखिमों को चिह्नित किया जा सके और इसे वास्तव में बहुलतापूर्ण ढंग से किया जाना चाहिए। उपायों पर फिर से सोचना जरूरी इन बहुलवादी तौर-तरीकों को सुनिश्चित करने के लिए अनेक सिफारिशों को पेश किया गया है, जिनमें एक नए सामाजिक अनुबंध को अपनाया जाना भी है, ताकि विविध हितधारकों के साथ संपर्क व बातचीत को बढ़ावा दिया जा सके। इनमें आदिवासी जन को शामिल करना, युवजन को अपनी आवाज बुलंद करने का अवसर प्रदान करना और सकल घरेलू उत्पाद से आगे बढ़ करके प्रगति के लिए उपायों को फिर से सोचना भी हैं। यूनेप प्रमुख ऐंडरसन ने कहा कि बदलाव के इन संकेतकों की निगरानी और अग्रदृष्टि तौर-तरीकों के इस्तेमाल के जरिये, दुनिया अतीत की गलतियों को दोहराने से बच सकती है।

अफगानिस्तान में तूफान से 35 लोगों की मौत , 230 लोग घायल; 400 घर बर्बाद हुए

काबुल । अफगानिस्तान में मसूलाधार बारिश, ओलावृष्टि के साथ आए तूफान से 35 लोगों की जान चली गई जबकि 230 लोग घायल हो गए हैं। खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, जलालाबाद शहर और नंगरहार प्रांत के आसपास के इलाकों में 400 से ज्यादा घर तबाह हो गए हैं। सूचना एवं संस्कृति विभाग ने जानमाल की पुष्टि की सूचना एवं संस्कृति विभाग ने नंगरहार के कई जिलों में हुई जानमाल की हानि की पुष्टि की है। सरकार ने जानकारी देते हुए बताया कि प्राकृतिक आपदा के बाद प्रभावित समुदायों के पुनर्वास के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए कार्रवाई की जा रही है। तेज बारिश और ओलावृष्टि से हुई तबाही प्रभावित लोगों के दर्द को कम करने और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे को बहाल करने के लिए ठोस राहत उपायों की लगातार कोशिश की जा रही है। प्रारंभिक रिपोर्टों के मुताबिक लगभग चार सौ घर नष्ट हो गए हैं। जिसमें निवासियों और व्यवसायों को काफी वित्तीय नुकसान हुआ हैं। हालांकि मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। सरकार बोली- हर जरूरतमंद को मदद पहुंचाने की कोशिश जारी अफगानी मीडिया के मुताबिक अधिकारी यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं कि हर जरूरतमंद को वह सहायता मिले जिसकी उन्हें जरूरत है।

अमेरिकी सीनेटर बॉब मेनेंडेज रिश्वतखोरी मामले में दोषी करार विदेशी एजेंट होने के लगे थे आरोप

वॉशिंगटन ।
अमेरिकी सीनेटर बॉब मेनेंडेज को रिश्वतखोरी मामले में दोषी करार दिया गया है। मेनेंडेज पर अपने पद के गलत इस्तेमाल और उद्योगपतियों को गलत फायदा पहुंचाने के एवज में रिश्वत लेने का दोषी पाया गया है। न्यूयॉर्क सिटी की एक संघीय अदालत ने बॉब मेनेंडेज को दोषी करार दिया।

विदेशी एजेंट होने के लगे थे आरोप

नौ हफ्ते तक चली सुनवाई के बाद अभियोजकों ने बॉब मेनेंडेज के खिलाफ सबूत पेश किए। जिनमें दावा किया गया कि न्यूजर्सी के डेमोक्रेट सांसद बॉब मेनेंडेज ने अपने पद का गलत इस्तेमाल किया। साथ ही अपने सहयोगियों को आपराधिक जांच से बचाया और अपने सहयोगियों और अपनी पत्नी को गलत तरीके से फायदा पहुंचाया। बॉब मेनेंडेज पर मिस्त्र के खुफिया विभाग के अधिकारियों से मिलने के भी आरोप लगे थे। आरोप था कि बॉब मेनेंडेज ने मिस्त्र को अमेरिका से करोड़ों डॉलर की सैन्य मदद दिलाने में मदद की। इसके चलते मेनेंडेज पर विदेशी एजेंट होने के भी आरोप लगे थे। इस्तीफे की उठी मांग मेनेंडेज पर विदेशी सरकारों और व्यापारिक सहयोगियों को फायदा पहुंचाने के एवज में सोने की छड़ें, एक मर्सिडीज कार और लाखों डॉलर नकद स्वीकार करने का आरोप था। बॉब मेनेंडेज कभी अमेरिकी संसद की शक्तिशाली विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष थे और अमेरिकी संसद के वरिष्ठ सांसदों में उनका शुमार होता है। न्यूयॉर्क की ज्यूरी ने 70 वर्षीय बॉब मेनेंडेज को सभी 16 मामलों में दोषी ठहराया। साथ ही मेनेंडेज के सहयोगी वेल हाना और फ्रेड डेब्स को भी दोषी ठहराया गया। बॉब मेनेंडेज को रिश्वत मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद डेमोक्रेट नेता चक शूमर ने उनके इस्तीफे की मांग की है। सीनेट में दूसरे नंबर के नेता डेमोक्रेट सीनेटर डिक डर्बिन ने भी मेनेंडेज से इस्तीफा मांगा है। मिस्त्र को फायदा पहुंचाने के आरोप अभियोजकों ने कहा कि सीनेटर मेनेंडेज ने मिस्त्र सरकार की ओर से एक विदेशी एजेंट के रूप में काम करने की साजिश रची थी, जो अमेरिकी सैन्य सहायता के सबसे बड़े प्राप्तकर्ताओं में से एक है। मेनेंडेज पर आरोप है कि उन्होंने 2018 में व्यक्तिगत रूप से एक पत्र का मसौदा तैयार किया था, जिसे बाद में मिस्त्र के एक लॉबिस्ट ने सीनेटरों को भेजा था।

रिपब्लिकन सम्मेलन में प्रतिनिधियों ने ट्रंप के लिए दिखाई एकजुटता, कान में पट्टी बांधकर पहुंचे सांसद

वॉशिंगटन ।
अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। पेंसिल्वेनिया में एक रैली के दौरान पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर हमला किया गया। इस हमले में डोनाल्ड ट्रंप घायल हो गए थे। इस घटना के बाद रिपब्लिकन नेशनल कंवेंशन में एरिजोना के स्टेसी गुडमैन और जो नेग्लिया समेत कई प्रतिनिधियों को कान पर पट्टी बांधे हुए देखा गया। यह पट्टी हमले के बाद ट्रंप द्वारा पहनी गई पट्टी की तरह ही थी। मीडिया से बात करते हुए जो नेग्लिया ने कहा, जब कल वह आए तो मैंने सोचा कि सच्चाई का सम्मान करने के लिए मैं क्या कर सकता हूं भी मेरा ध्यार उनकी पट्टी पर गया और मैंने सोचा मैं ऐसा कर सकता हूं। इसलिए मैंने इसे केवल ट्रंप का सम्मान करने के लिए लगाया है। नेग्लिया ने आगे कहा कि उन्होंने मिल्वौकी के रास्ते में पट्टियाँ बनाईं। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप के दाहिने कान पर पट्टी बंधी है। प्रतिनिधियों ने ट्रंप का गर्मजोशी से किया स्वागत आरएनसी में प्रतिनिधियों की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप का एकर बार फिर से गर्मजोशी से स्वागत

किया गया। यहां सांसदों ने आप्रवासन, अपराध और फेंटेनाइल संकट के बारे में चर्चा की। इस दौरान ट्रंप के साथ उनके नए साथी ओहियो के सीनेटर जेडी वेंस भी थे। दरअसल, उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए ट्रंप ने रिपब्लिकन उम्मीदवार के तौर पर जेटी वेंस के नाम का समर्थन किया। इस सम्मेलन के दूसरे दिन पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सीनेटर टेड क्रूज़, अर्कांसस गवर्नर सारा हकाबी सैंडर्स, फ्लोरिडा सीनेटर मार्को रुबियो, आवास और शहरी विकास के पूर्व सचिव बेन कार्सन और उनकी बहू लारा ट्रम्प को सुनने के लिए सटिक समय पर पहुंचे। उन्होंने निकी हेली की भी बात सुनी, जो राष्ट्रपति की दौड़ से बाहर होने वाली उनकी एक प्रतिद्वंद्वी थी।

इमरान की पीटीआई पर बैन की तैयारी; विरोध में उतरे नवाज की पार्टी के नेता, बोले-ऐसे परेशानी हल नहीं होगी

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई को गैरकानूनी घोषित करने की योजना बना रही है। इस बीच, सत्तारूढ़ पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि सियासी दलों को गैरकानूनी बनाना किसी भी मुद्दे को हल करने का तरीका नहीं है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के नेता जावेद लतीफ ने कहा कि स्थानीय राजनीतिक दल राष्ट्र और राज्य का समर्थन करते हैं।

उन्होंने दलील दी कि जो लोग राज्य के लिए खतरा पैदा करते हैं, उन्हें राष्ट्रीय राजनीतिक संगठनों के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय विकास को आगे बढ़ाने वाले दलों की पहचान करने

और सरकार को कमजोर करने वाली गोपनीय ताकतों को उजागर करने की जरूरत पर जोर दिया। लतीफ ने पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति की तुलना केन्या से की और चेतावनी दी कि राष्ट्रीय राजनीतिक दलों को कमजोर करने से लोकतंत्र को खतरा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या कोई राष्ट्रीय दल या नेता इस तरह के कृत्यों के लिए जवाबदेह हो सकता है। उन्होंने नौ मई की घटना की भी निंदा की।

सियासी दलों से बातचीत के बाद लिया जाएगा फैसला वहीं, पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी पर प्रतिबंध लगाने का फैसला राजनीतिक दलों के साथ बातचीत के बाद किया जाएगा। मीडिया से बात करते हुए डार ने आरोप लगाया कि पीटीआई सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन से महंगाई बढ़ी। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने और महंगाई को कम करने की कोशिश के गठबंधन सरकार देश को दिवालिया होने से बचाने में कामयाब रही। डार ने आगे कहा कि चुनाव आयोग के पास सबूत हैं कि पीटीआई को बाहरी स्त्रोतों से पैसा मिलता है। उन्होंने कानून और संविधान का पालन करने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि संघीय सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार द्वारा की गई हालिया टिप्पणी के बारे में किसी भी फैसले की समीक्षा पहले सहयोगियों के साथ की जाएगी।

अमेरिका में बच्चे गोलीबारी में ज्यादा मरते हैं, ट्रंप पर हुए हमले के बाद बंदूक संस्कृति के खिलाफ बाइडन

वॉशिंगटन ।
पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए राष्ट्रपति जो बाइडन ने उनकी नीतियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने लाखों काले अमेरिकियों को स्वास्थ्य बीमा सेवा से बाहर करने के लिए ओबामाकेयर को रद्द किया। उन्होंने दो ट्रिलियन डॉलर की टैक्स कटौती की। अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। इस चुनाव में राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मुख्य उम्मीदवार माने जा रहे हैं। पिछले हफ्ते चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप पर गोली चलाई गई थी। ट्रंप की हत्या के प्रयास के बाद राष्ट्रपति जो बाइडन ने स्थिति को आश्चर्यजनक बताया। उन्होंने अमेरिका में बंदूक संस्कृति को लेकर एक बड़ा बयान दिया। बाइडन ने कहा कि अमेरिका में

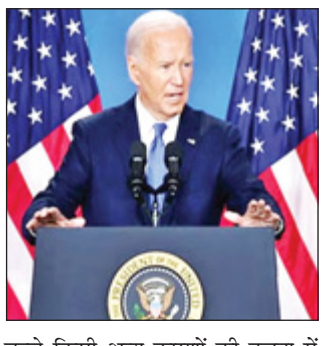

बच्चे किसी अन्य कारणों की तुलना में गोलीबारी में ज्यादा मारे जाते हैं। उन्होंने यह बयान लास वेगस में एनएएसीपी राष्ट्रीय सम्मेलन में दिया। राष्ट्रीय सम्मेलन में राष्ट्रपति बाइडन ने लोगों से अमेरिका की सड़कों से हथियार हटाने का आह्वान किया। इसके अलावा उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों की भी आलोचना की। बाइडन ने कहा, अमेरिका में बच्चे किसी अन्य कारणों की तुलना में गोलीबारी में ज्यादा मारे जाते हैं। यह बहुत आश्चर्यजनक है। अगर हम इसके बारे में कुछ नहीं करते हैं तो यह कायरता है। अगर आप अमेरिका में हिंसा के खिलाफ खड़े होना चाहते हैं तो युद्ध के इन हथियारों को अमेरिका की सड़कों से हटाने के लिए मेरे साथ शामिल हों। बाइडन ने की ट्रंप की नीतियों की आलोचना पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए राष्ट्रपति जो बाइडन ने उनकी नीतियों की आलोचना की। उन्होंने कहा, ट्रंप ने लाखों काले अमेरिकियों को स्वास्थ्य बीमा सेवा से बाहर करने के लिए ओबामाकेयर को रद्द किया। उन्होंने दो ट्रिलियन डॉलर की टैक्स कटौती की। ऐसा करने से अमीर और बड़े निगम को बहुत लाख हुआ। यह किसी भी राष्ट्रपति के कार्यकाल में संघीय टैक्स में भारी वृद्धि है। उन्होंने ट्रंप को महामारी के कुप्रबंधन के लिए भी जिम्मेदार ठहराया। ट्रंप पर निशाना साधते हुए राष्ट्रपति बाइडन ने कहा, हमें जो करना चाहिए, इसके लिए उन्होंने (ट्रंप) कोई जगह नहीं छोड़ी। उन्होंने उन चीजों में निवेश किया, जो लोगों के जीवन को प्रभावित करती है। महामारी का यह कुप्रबंधन काले लोगों के लिए विनाशकारी था। बाइडन ने आगे कहा, जैसा कि हैरी ट्रूमैन ने कहा था, मैंने कभी किसी को नरक नहीं भेजा। मैंने केवल सच कहा, और सभी को लगा कि यह नरक है। खैर, बात ये है कि क्यों डौनाल्ड ट्रंप का कार्यकाल काले लोगों के लिए नरक बन गया था ।

सरकारी नौकरियों में आरक्षण के मुद्दे पर हिंसक हुआ प्रदर्शन, छह की मौत; बंद करने पड़े स्कूल-कॉलेज

ढाका । बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई। इसमें तीन छात्रों सहित छह लोगों की मौत हो गई। जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। चटगांव और रंगपुर में चार मौतें हुईं। बाद में पुलिस और प्रमुख समाचार समूहों ने ढाका और चटगांव में दो और लोगों की मौत की सूचना दी। खबरों के मुताबिक, आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर बांग्लादेश के प्रमुख शहरों में सड़कों पर विरोध प्रदर्शन हो रहे थे। इन प्रदर्शनों ने हिंसक रूप ले लिया। मृतकों में कम से कम तीन छात्र शामिल हैं। जबकि करीब 400 अन्य घायल हुए। देशभर के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के परिसरों में रातभर हिंसा भड़कने के बाद अधिकारियों ने चार प्रमुख शहरों में अर्द्धसैनिक बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के जवानों को बुला लिया। सरकार ने बढ़ती हिंसा के बीच स्कूलों और कॉलेजों को अगले आदेश तक बंद रखने का आदेश दिया है। देश के शिक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, माध्यमिक और उच्च शिक्षा विभाग के दायरे में आने वाले सभी स्कूल, कॉलेज, मदरसे और पॉलिटेक्निक संस्थान छात्रों की सुरक्षा को देखते हुए अगले आदेश तक बंद रहेंगे। हिंसा ने आमतौर भीड़भाड़ वाली राजधानी को लगभग खाली कर दिया। शहर में अज्ञात लोगों ने दो बसों को आग लगाई गई, जब कई हिस्सों छिटपुट हिंसक झड़पें हुईं। जिससे सड़कों पर जाम लग गया और हजारों लोग सड़कों और अपने कार्यस्थलों पर फंस गए। झड़पें तब शुरू हुईं, जब सत्तारूढ़ अवामी लीग की छात्र शाखा के कार्यकर्ताओं का प्रदर्शनकारियों से आमना-सामना हुआ। प्रदर्शनकारियों इस बात पर जोर दे रहे थे कि मौजूदा आरक्षण प्रणाली सरकारी सेवाओं में मेधावी छात्रों के नामांकन पर रोक लगा रही है।